अमृतलाल वेगड़
अध्यक्ष

अनिल माधव दवे
सचिव

नर्मदा समग्र,
नदी का घर, सीनियर एम.आई.जी–2, अंकुर कॉलोनी, शिवाजी नगर,
भोपाल– 462016 मध्यप्रदेश
फोन – 0755-2460754 फैक्स – 0755-2553283
ई–मेल – narmadasamagra@gmail.com, narmadasamagra@rediffmail.com
www. narmadasamagra.org

नर्मदा नदी
स्वास्थ्य सूचकांक
प्रपत्र वर्ष 2011-12

NARMADA RIVER HEALTH INDEX

माँ नर्मदा जलग्रहण क्षेत्र व परीक्षण स्थल

नदी का स्वास्थ्य अर्थात् क्या ?

नदी के दोनों तटों का वह जल ग्रहण क्षेत्र जहां बरसा पानी बहकर नदी में आता है, वह संपूर्ण क्षेत्र उसका शरीर है। वहां के पहाड़, जंगल, जानवर, मानवीय बस्तियां, छोटे-बड़े नदी -नाले, खेत -तालाब व जैव-विविधता का सारा संसार उसके अंग-प्रत्यंग हैं। इन सब में होने वाला किसी भी प्रकार का छोटा या बड़ा परिवर्तन उसके स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है।

नदी एक जीवमान इकाई है, वह भी सांस लेती है, उसे भी भूख-प्यास लगती है उसका स्वास्थ्य भी अच्छा-बुरा होता रहता है। वह मानवीय व्यवहार के कारण बीमार पड़ती है। लंबे समय तक अगर ध्यान न दिया जाए तो वह विभिन्न प्रकार के असाध्य रोगों से पीड़ित हो जाती है जो उसकी मृत्यु के कारण बनते हैं। अतः मनुष्य की तरह प्रत्येक नदी का भी नियमित स्वास्थ्य परीक्षण होना चाहिए।

नर्मदा स्वास्थ्य सूचकांक का उद्देश्य

स्वास्थ्य सूचकांक का उद्देश्य नदी के यथार्थ स्वरूप को ध्यान में रखकर उसके स्वास्थ्य में होने वाले बदलाव को समझना व कारणों का पता लगाना है। चिकित्सा शास्त्र रोग मुक्ति के चार चरण बनाता है - रोग की पहचान, औषधी, पथ्य और परिणाम। अतः नदी स्वास्थ्य परीक्षण की दृष्टि से यह प्रथम चरण है।

नर्मदा नदी स्वास्थ्य सूचकांक के लिए वर्ष में तीन बार अमरकंटक से भरूच तक कुल 14 स्थानों (औसतन 100 कि.मी अंतराल) से जल व मिट्टी के नमूनों का संग्रह कर उसके रसायनिक तत्वों की पहचान की गई है। साथ ही पशु-पक्षी, जलीय जीवों की उपस्थिति, किनारों के कटाव व वृक्षों जैसे विषयों का वहां निवास करने वाले लोगों द्वारा सामाजिक अंकेक्षण भी किया गया है। विज्ञान के परीक्षण व समाज अंकेक्षण का यह गठबंधन हमारे कार्य का आधार है। यह कार्य प्रतिवर्ष किया जायेगा, जिससे नर्मदा के स्वास्थ्य में होने वाले बदलाव को जमीनी स्तर पर पहचाना जा सके। अपेक्षा है कि ये निष्कर्ष नर्मदा सेवा की सही दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभायेंगे।

परीक्षण केन्द्र

01. अमरकंटक (अनूपपुर)
02. जोगीटिकरिया (डिण्डोरी)
03. मण्डला
04. जबलपुर
05. बरमान (नरसिंहपुर)
06. साण्डिया (होशंगाबाद)
07. डोंगरवाडा (होशंगाबाद)
08. हंडिया (हरदा)
09. ओंकारेश्वर (खंडवा)
10. धरमपुरी (धार)
11. कंकराना (अलीराजपुर)
12. गरूडेश्वर, नर्मदा जिला (गुजरात)
13. नारेश्वर (बड़ौदा)
14. भाड़भूत (भरूच)

अस्वस्थता के कारण

समाज

आधुनिक जीवन पद्धति व नगरीय संरचना ने पानी की प्रतिव्यक्ति, प्रतिदिन की खपत को असाधारण मात्रा में बढ़ाया है। नदी से व्यवहार करते हुए समाज ने प्रदूषित ठोस पदार्थों व घुलनशील रसायनों को बड़ी मात्रा में नदी व जल स्त्रेतों में धकेला है उदाहरण के लिए डिटर्जेंट, ऐसिड, खाद व कीटनाशक दवाइयाँ, औद्योगिक तरल रसायन इत्यादि।

एक दृष्टि से घर, उद्योग, आवासीय बस्तियां व खेतों के माध्यम से सभ्य समाज द्वारा विश्व भर के जल स्त्रेतों पर रात–दिन किया जा रहा (24X365) वैश्विक आक्रमण है।

सरकार

जैसे भारत में राजनीतिक कार्य शैली का एकरूपीकरण हुआ है वैसे ही विश्व में विकास की अवधारणा का यूरोपिय या अमेरिकीकरण हुआ है। जाने–अनजाने भारत में विकास की योजना बनाने वाले कर्णधारों के मन में जो विकास के ढांचे (मॉडल) खड़े हुए वे इन्हीं देशों से प्रेरित है। नदी से बिजली चाहिए या पानी? नदी से जीवनरस चाहिए या मनोरंजन? नौकरी चाहिये या स्वावलंबन? सर्वत्र संशय है – कोई भी बड़ा सरकारी नीति निर्धारक दिल्ली में यमुना, कानपुर में गंगा या जहाँ नर्मदा में गंदे नाले मिलाए जा रहे हैं वहां का एक चम्मच जल स्वयं या अपने परिवार के सदस्यों को पिलाने का साहस नहीं कर सकता। यह 64 वर्षों की सरकारी जलनीति का दुष्परिणाम है।

व्यक्तिगत

नदी तालाब व अन्य छोटे बड़े जल स्त्रोतों से व्यवहार करते समय बहुसंख्यजनों का व्यवहार उपभोक्तावादी है।

वह पानी का उपयोग नहीं भरपूर उपभोग करना चाहता है। किनारे बैठकर डिटर्जेंट से कपड़े धोता है, मरे हुए पशु उसमें डालता है, घर से निकलते जल–मल के प्रवाह को हँसते हुए नदी की ओर मोड़ देता है। वह नदी में गंदे वस्त्र छोड़कर खुद नए कपड़े पहन लेता है। वह स्वजनों के अधजले शव मरने की कगार पर खड़ी नदी में बहाकर स्वजनों का कल्याण व नदी का श्राद्ध करना चाहता है।

नदी व तालाबों के साथ एक–एक व्यक्ति का यह व्यवहार अत्यंत ही आत्मघाती है।

जल परीक्षण ...

पहले जो जंगल झई तक लगो थो, अब जंगल काट काट खेत बना लये है । पहले जंगली जानवार खूब आत थे पर आजकल आना बंद हो गये कभू–कभू हिरणों को झुंड जरूर आत है। पर वो भी दिनो दिन कम होत जा रहे है।

तीरथ प्रसाद
ग्राम–तालनगरी
तह. जिला होशंगाबाद

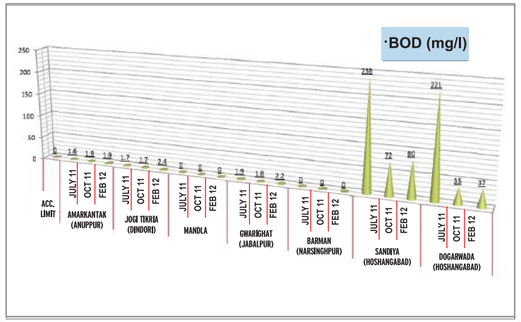

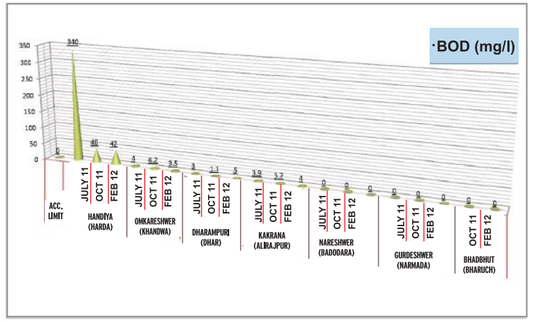

मानक इकाई – Mg/L, वांछनीय– 7 से 8-5, अवांछनीय < 6-5 आर वो > 9-2

प्रभाव– ऑक्सीकृत और अनॉक्सीकृत शुक्ष्म जीवों की मात्र को दर्शाता है। इसके कारण जल में आक्सीजन की कमी हो जाती है जिससे जलीय जीव नष्ट हो जाते हैं।

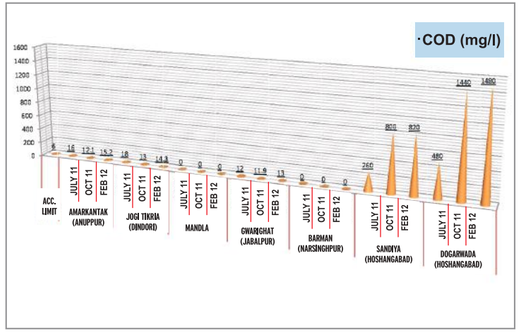

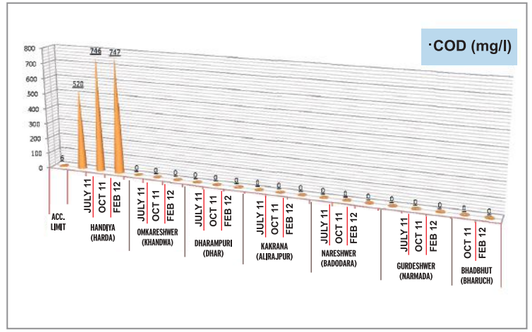

मानक इकाई – Mg/L, वांछनीय– 6 (who)

प्रभाव उपर के सामान

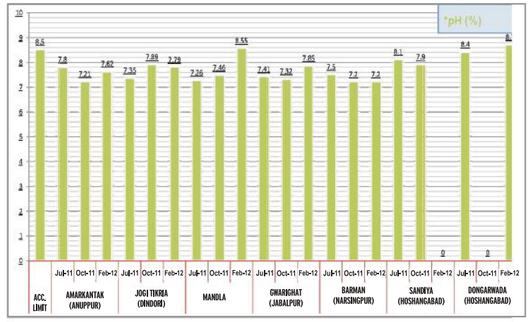

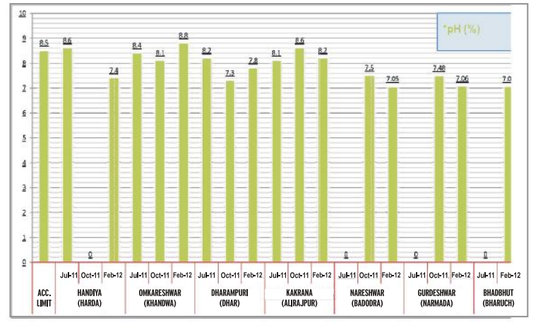

मानक– इकाई – : %, वांछनीय– 7 से 8-5, अवांछनीय < 6-5 आर वो > 9-2

प्रभाव– **pH** क्षारीय होने से उसमें शैवाल अधिक हो जाते है जिससे पानी हरा होने लगता हैं ऐसा जल मनुष्योपयोगी नही रह जाता।

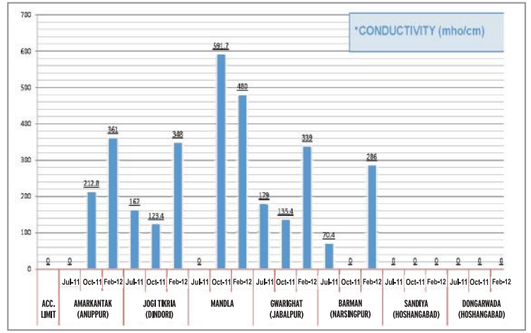

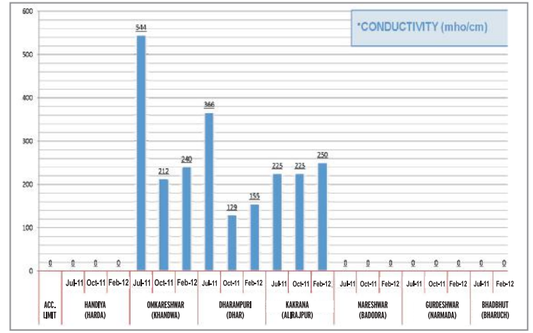

मानक– इकाई –**uho/cm**

प्रभाव– पानी में गंदगी रहती है। यह पानी में घुले हुए अकार्बनिक ठोस पदार्थो जैसे क्लोराईड, नाईट्रेट, सल्फेट आदि का मान है।

इसके सीमा से अधिक होने पर पानी में आक्सीजन के प्रतिशत में कमी तथा जलीय जीवों के जीवन चक पर संकट उत्पन्न हो जाता है।

अब तलवट, गोमट, नलन– मछली नी मीलती हुई बरसात का समय म गोटारीया, सीधांल, सेकड़ी मछली मीलज खाली, न इनको बज़न भी कम हुई गयो। अबत मछुवारा न केवट नक मछली नी मीलती हई ऐका लेण उनकअ दाड़की करन गाँव छोड़ि क बाईरअ जाणु पड़ज ।

राधेश्याम केवट
ग्राम– चिकल्दा,
विकासकण्ड– निसरपुर,
जिला–धार

नर्मदा जी में आज कल भैया, सिकड़ा मछली और बामी मछली दिखवोई बंद हो गयी। कछु दिना पहले तो थोड़ी बहोत दिखत थी।

मुन्नालाल केवट
ग्राम–सिवनीघाट
तह.– पिपरिया
जिला, होशंगाबाद

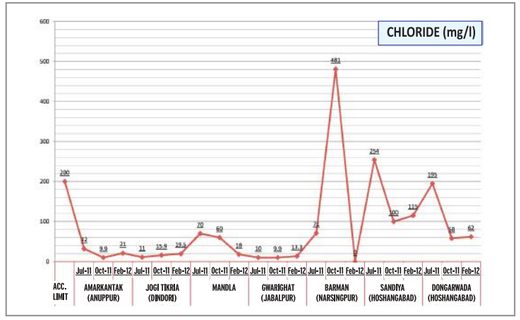

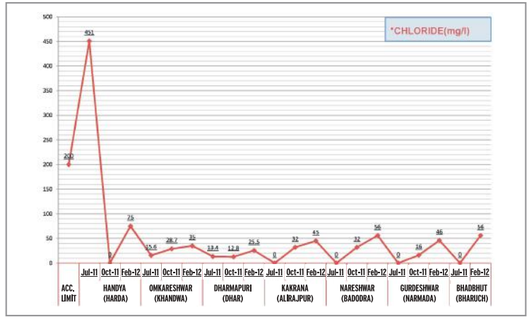

मानक– इकाई – Mg/l, वांछनीय– 200, अवांछनीय 1000
प्रभाव– जल को अशुद्ध करता है।

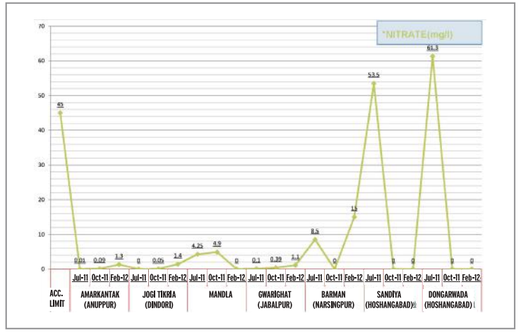

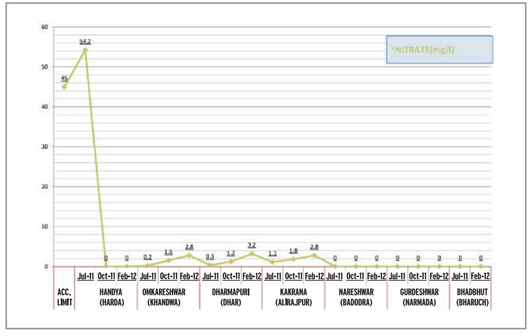

मानक – इकाई – Mg/l, वांछनीय– 45, अवांछनीय 45
प्रभाव – नाइट्रेड अधिक होने से मनुष्य में ट्यूमर, अल्सर व चर्मरोग होते हैं।

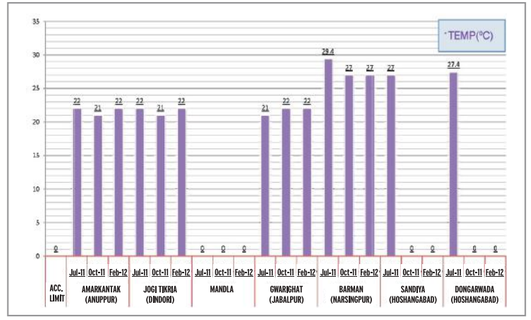

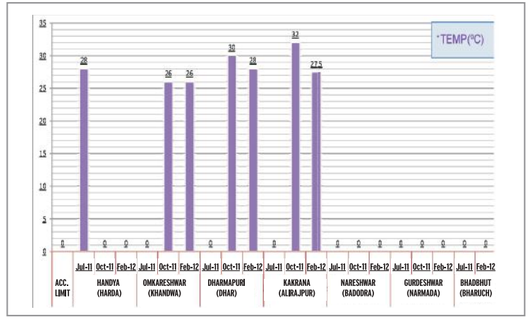

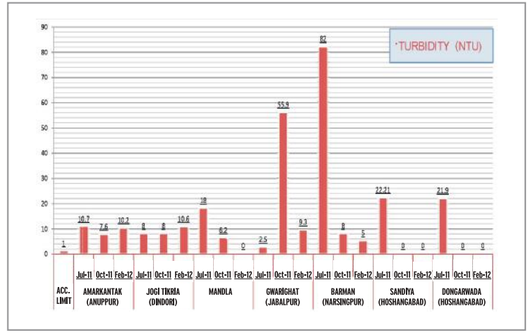

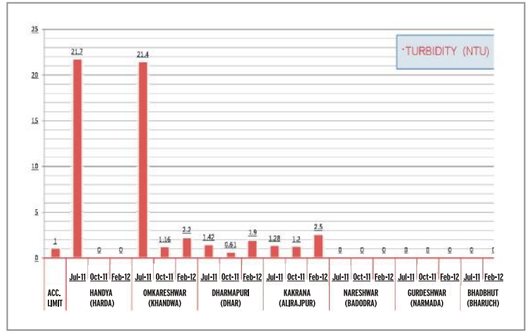

मानक इकाई – NTU वांछनीय– 1, अवांछनीय 10
प्रभाव– गंदगी अधिक होने से सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुँच पाता है जिससे जलीय पौधों व जन्तुओ के वंश विस्तार पर विपरीत असर पड़ता है।
मनुष्यों को डाइरिया, उल्टी, अकड़न आदि समस्या होती है।

गांव के जितने मछली मारवे हते वे सब तो जाल सेई मछली पकड़त थे जब से जे बंगाली (बंगलादेशी घुसपैठिए) लोग आये हैं तब से फटाका से मछली मरन लगी। आज कल मछली भी बहुत कम हो गयी।

लेखराम कहार
ग्राम– सुक्कर वाड़ा
तह.– बाबई
जिला, होशंगाबाद

नर्मदा किनारे के जंगल बहोत कम हो गये है इके कारण कटाव बड़ो है जंगल की कमी खे पूरो करन के लाने पौधा लगाय तो जात है पर बहोत कम तादात में। बाढ़ में पहले के जैसे बड़े पेड़ आज के समय में हमे दिखाई नही देवे।

उदय झारिया
देवगांव, संगम घाट
जिला मण्डला

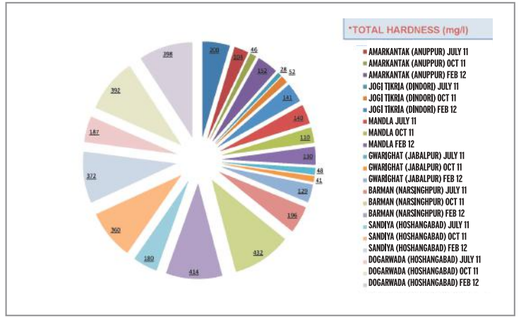

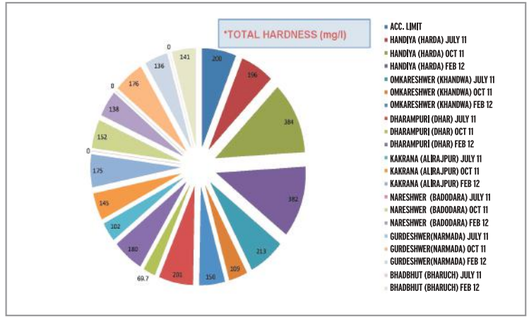

मानक इकाई – Mg/L, वांछनीय– 200, अवांछनीय– 600
प्रभाव– मनुष्यों की किडनी में पथरी व हृदय संबधी समस्या, पाइप व बर्तनों में क्षारीय परत जमने लगती है।

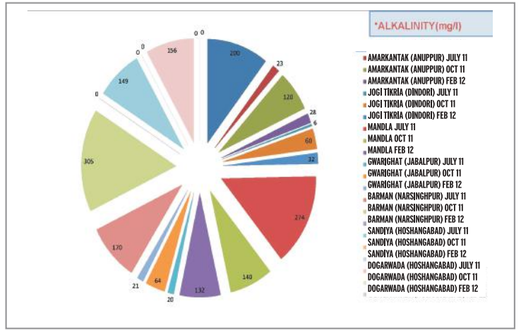

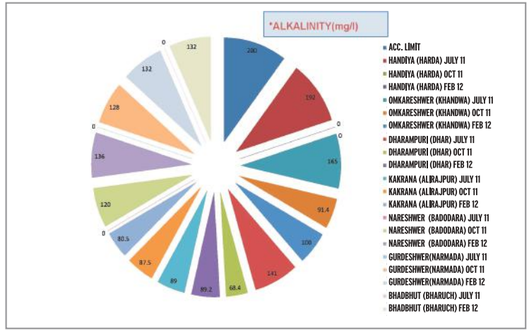

मानक इकाई – Mg/L, वांछनीय– 200, अवांछनीय– 600
प्रभाव – पाचन संबंधी दोष उत्पन्न होने लगते हैं।

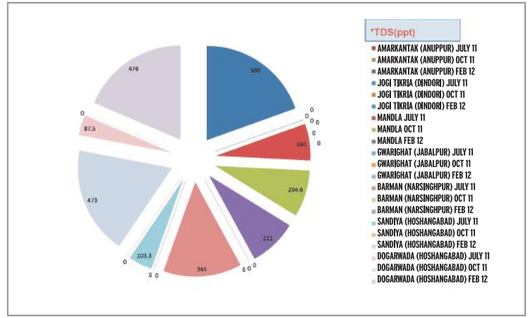

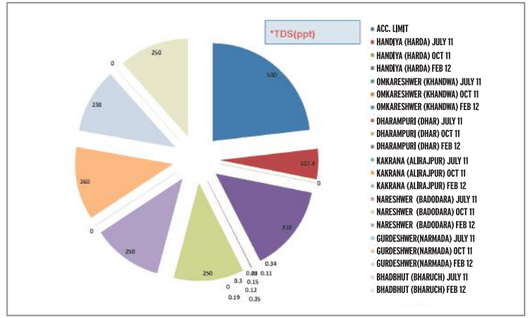

मानक इकाई – ppt , वांछनीय– 500, अवांछनीय– 2000
प्रभाव – पेट के रोगों में बढावा व जलीय जीवों के प्रजनन तंत्र पर विपरीत प्रभाव।

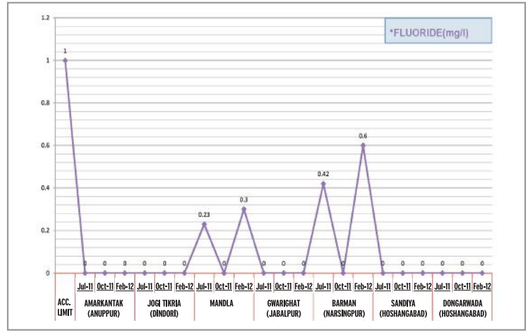

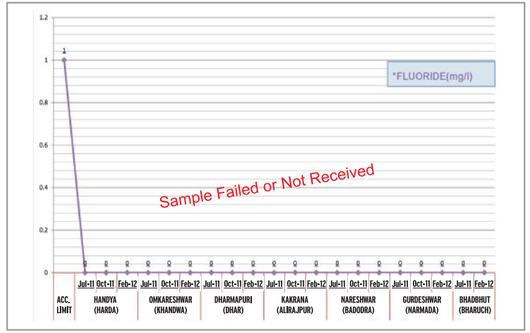

मानक इकाई – Mg/L , वांछनीय– 1, अवांछनीय– 1]5
प्रभाव– फ्लोराइड की अत्याधिक मात्र के कारण मनुष्य के दांत गिरने लगते हैं। जोड़ों में दर्द तथा हार्मोन्स पर इसका विपरीत असर होता है।

जंगल की अंधाधुंध कटाई से तो जंगल कम भई है इके कारण जंगल के जानवर भी कम भई है।

बाबू कतिया
लघु कृषक
मण्डला

जल परीक्षण

S.N0.	PARAMETERS	UNIT	ACCEPTABLE	CAUSE FOR REJECTION	AMARKANTAK			DINDORI			MANDLA			GWARIGHAT (JABALPUR)			BARMAN (NARSINGPUR)			SANDIYA (HOSHANGABAD)			DONGARWADA (HOSHANGABAD)			HANDIYA(H ARDA)			OMKARESHWAR (KHANDWA)			DHARAMPURI (DHAR)			KAKRANA (ALIRAJPUR)			GURDESHWAR (NARMADA JILA)		NARESHWAR (VADODARA)		BHADBHUT (BHARUCH)
					Jul-11	Oct-11	Feb-12	Jul-11	Oct-11	Feb-12	Jul-11	Oct-11	Feb-12	Jul-11	Oct-11	Feb-12	Jul-11	Oct-11	Feb-12	Jul-11	Oct-11	Feb-12	Jul-11	Oct-11	Feb-12	Jul-11	Oct-11	Feb-12	Jul-11	Oct-11	Feb-12	Jul-11	Oct-11	Feb-12	Jul-11	Oct-11	Feb-12	Oct-11	Feb-12	Oct-11	Feb-12	Feb-12
1	TEMP	C	*	*	22	21	22	22	21	22	*	*	*	21	22	22	29.4	27	27	27	*	*	27.4	*	*	28	*	*	*	26	26	*	30	28	*	32	27.5	*	*	*	*	*
2	TURBIDITY	NTU	1	10	10.7	7.6	10.2	8	8	10.6	18	6.2	*	2.5	55.9	9.3	82	8	5	22.21	*	*	21.9	*	*	21.7	*	*	21.4	1.16	2.2	1.42	0.61	1.9	1.28	1.2	2.5	0	0	0	0	*
3	pH	%	7 TO 8.5	<6.5 RO >9.2	7.8	7.21	7.62	7.35	7.89	7.79	7.26	7.46	8.55	7.41	7.32	7.85	7.5	7.2	7.2	8.1	7.9	*	8.4	*	8.7	8.6	*	7.4	8.4	8.1	8.8	8.2	7.3	7.8	8.1	8.6	8.2	7.48	7.06	7.5	7.05	7.05
4	CONDUCTIVITY	uho/cm	*	*	S	212.8	361	162	123.4	348		591.7	480	179	135.4	339	70.4		286	*	*	*	*	*	*	*	*	*	544	212	240	366	129	155	225	225	250	*	*	*	*	*
5	TOTAL HARDNESS	Mg/l	200	600	104	46	152	28	52	141	140	110	130	48	41	129	196	432	414	180	360	372	187	392	398	196	384	382	213	109	150	201	69.7	180	102	145	175	176	136	152	138	141
6	ALKALINITY	Mg/l	200	600	23	120	28	6	60	32	274	140	132	20	64	21	170	305		149	*	*	156	*	*	192	*	*	165	91.4	100	141	68.4	89.2	89	87.5	80.5	128	132	120	136	132
7	TDS	ppt	500	2000	*	*	*	*	*	*	160	204.6	211	*	*	*	344	*	*	103.3		473	87.5	*	476	107.4		310	0.34	0.11	0.05	0.22	0.15	0.35	0.12	0.19	0.3	260	230	250	250	250
8	IRON (Fe)	Mg/l	0.1	1	*	*	*	*	*	*	Nil	0.02	0	*	*	*	0.5	*	0.7	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	0	0	0	0	0
9	CHLORIDE	Mg/l	200	1000	32	9.9	21	11	15.9	19.5	70	60	18	10	9.9	13.3	71	481	0	254	100	115	195	58	62	451	72	75	15.6	28.7	35	13.4	12.8	25.5	.7.2	32	45	16	46	32	56	56
10	NITRATE	Mg/l	45	45	0.01	0.09	1.3	0	0.05	1.4	4.25	4.9	0	0.1	0.39	1.1	8.5	0	15	53.5			61.3			54.2			0.2	1.5	2.8	0.3	1.2	3.2	1.1	1.8	2.8	0	0	0	0	0
11	SULPHATE	Mg/l	200	400	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	10	*	12	14
12	PHOSPAHATE	Mg/l	*	*	0.004	0.06	0.031	0	0.05	0.028	*	*	*	0.005	0.09	0.021	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	390	660	850	940	380	775	1150	520	700	*		*	*	*
13	CALCIUM	Mg/l	75	200	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	16	*	16	16
14	E-COLI	n/100ml	0	*	*	*	*	*	*	*	0	0	0	*	*	*	0	0	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	1600	1600	1400	1600	500	900	1600	1100	1400	0	*	0	*	*
15	DO	Mg/l	10(who)	*		7.4	8.2		8	8	*	*	*		7.1	8.7	*	*	*	*	6	6.3		5.4	5.86		5.6	5.9	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*
16	BOD	Mg/l	_	*	1.6	1.9	1.9	1.7	1.7	2.4	*	*	*	1.9	1.8	2.2	*	*	*	238	72	80	221	35	37	340	40	42	4	6.2	3.5	3	1.1	5	3.9	3.7	4	*	*	*	*	*
17	COD	Mg/l	6(who)	*	16	12.1	15.2	18	13	14.3	*	*	*	12	11.9	13	*	*	*	260	800	820	480	1440	1480	520	746	747	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*
18	OXY COND	Mg/l		*	7.4	*	*	7.7	*	*	*	*	*	7.2	*	*	4	*	*	5.5	*	*	4.9	*	*	4.8	*	*	3.21	*	*	9.09	*	*	8.25	*	*	*	*	*	*	*	*

* Sample Failed or Not Received

आमजन की आँखन देखी प्रयोगशाला से ...

	स्थान –	अमरकंटक			जोगीटिकरिया (डिंडोरी)			मण्डला			ग्वारी घाट (जबलपुर)		बरमान (नरसिंहपुर)			साण्डिया (होशंगाबाद)			डोंगरवाड़ा (होशंगाबाद)			हांडिया (हरदा)			ओंकारेश्वर (खण्डवा)		धरमपुरी (धार)		कंकराना (अलिराजपुर)	गरूडेश्वर (नर्मदा जिला)	नारेश्वर (बड़ोदा)	भादभुत (भरूच)
		जुलाई 011	अक्टू. 011	फरवरी 012	जुलाई 011	अक्टू. 011	फरवरी 011	जुलाई 011	अक्टू. 011	फरवरी 011	जुलाई 011	अक्टू. 011	जुलाई 011	अक्टू. 011	फरवरी 011	जुलाई 011	अक्टू. 011	फरवरी 012	जुलाई 011	अक्टू. 011	फरवरी 012	जुलाई 011	अक्टू. 011	फरवरी 012	अक्टू. 011	फरवरी 012	अक्टू. 011	फरवरी 012	फरवरी 012	फरवरी 012	फरवरी 012	फरवरी 012
	पानी कैसा है?	कृषि व पशुधन योग्य	कृषि व पशुधन योग्य	कृषि व पशुधन योग्य	कृषि योग्य	पीने योग्य	कृषि व पशुधन योग्य	कृषि योग्य	पीने योग्य	पीने योग्य	पीने व कृषि योग्य	पीने योग्य	कृषि, पशुधन योग्य	पीने योग्य	पीने व कृषि, पशुधन योग्य	पीने योग्य	पीने योग्य	पीने योग्य	पीने योग्य	कृषि योग्य	कृषि योग्य	पीने योग्य	पीने योग्य	पीने योग्य	पीने योग्य	पीने योग्य	कृषि व पशुधन योग्य	पीने योग्य	कृषि योग्य	पीने योग्य	पीने योग्य	पशुधन योग्य
	मछलियाँ	रोहु, कतला, झींगा	रोहु, कतला, झींगा	रोहु, कतला, झींगा	पीटकर, रोहु, नारेन, कतला, झींगा	रोहु, कतला, झींगा	रोहु, गंगुरा, कतला, वाम,	कतला, रोहु, घासकार झींगा,	कतला, रोहु, कामनकार बामी, सिल्वर	झींगा, बामी, सोखी, मुगरी	वेरा, महाशेर, कारोट, कतला, बाम	कटया, कतला, महाशेर, बेरा अधिक, कस्पी	घासकार, बीटकार, रोहु, नारेन, कतला, झींगा	सोड़, नरेन, रोहु, बारा, कतला	नरेन, कलकलिया, रोहू, विलाशकार	नरेन, कतला, रेड पड़ेल, कारोट, चीतल	सिकड़ा, कतला, झींगा	झींगा, सिकड़ा, बामी	बाय, पुडिन, भौंरट, सिंगाड़, चीतल, खिरस्सा, रोहू, चाल, समल झोरे	झींगा, वामी, सिकड़ा,	झींगा, सिकड़ा, कुतरी	रोहू, बाम, भौंरट, कामनकार, मंगूर	झींगा, सिकड़ा, बामी	झींगा, सिकड़ा, कुतरी, बामी	कटला, सिंघी, कुरस्सा, धोंग्रा	कटवा, धोंघा, हिस्सा, नरेन, कुरस्सा	कटला, सिलवर, कुरस्सा, सिर, चाल	धुलीया, कटला, मौहीनी, कुरस्सा,	कटला, कलोट, दुधीया, धोंघा, नरेन	चौड़िया, खाप्ता, डौक, साढ़िया, पालवा	बांगरा, चकली, राहेर, रोहु, झींगा	हिलसा, पालवा, सोंडिया, छोला, भात
	पशु/पक्षी	बगुला, पनडुब्बी, कौंआ, गौरैया	गौरैया, जल तौतर, जलपाड़ी पहले से कम, बगुलें, झीरस	बगुला, कौआं,मैना, जलसारिस, तीतर	बगुला, टिटहरी, जलमुर्गी, गौरैया,	बगुला, बतख, चिराब, कौंआ पहले से कम	बगुला, पनडुब्बी, बतख कबूतर, किंगफिशर पहले से कम	चमगादड़, चिड़िया, पनऔआ, नीलकण्ठ, कोयल पहले से कम	गौरैया, कौआ, कबूतर, गिद्ध, जलमुर्गी	बगुला, कौआ, चिड़िया, चमगादड़ पहले से कम, बदख ज्यादा	बगुला, पनडुब्बी, कौंआ, वनमुर्गी, गौरैया पहले से कम	बगुला, पनडुब्बी, चकाचकी, चीत	बगुला, टिटहरी, नीलकंठ, चकवा चकवी, जलमुर्गी	बत्तख लकड़ बघ्घा, बंगुला, सांरग	बगुला, कौआ, कोयल, गौरैया, साइवेरियन पक्षी	सारस, कावरा पहले से कम, जलमानस विलुप्त, जलमुर्गी, मोर यथावत	बगुला, तोता, मलगल, गौरैया पहले से कम, कौआ ज्यादा	बगुला, गिलगिल, कौंआ मोर, गौरैया	तीतर व बटेर यथावत चकवा ज्यादा, टिटोरी, जलमुर्गी, सारस, किलकिल पहले से कम	बगुला, अरियल, नीलकंठ पहले से कम कौंआ ज्यादा, गौरैया यथावत	बगुला, गिलगिल, मोर, पहले से कम गौरैया, कौंआ यथावत	टिटोरी, जलमुर्गी पहले से कम, तीतर व चकवा यथावत, किलकिला ज्यादा	तोता अरियल पहले से कम, बगुला व गौरैया यथावत, कौआ	बगुला, कौंआ गौरैया, यथावत, तीतर व नीलकंठ पहले से कम	बगुला, बतख, तोता, चिड़ीया, मोर, कौंआ पहले से कम	बगुला, कौंआ, तोता पहले से कम	बगुला, कोयल, मोर कौंआ, जलमुर्गी, पहले से कम	चिड़ीया, बगुला, कौंआ, तोता, जलकुकड़ी पहले से कम	बगुला पहले से कम, कौंआ, जलमुर्गी	बगुला, कौंआ, पानकागड़ा, कबुतर, पोपट पहले से कम	कौआ, चुमन, पीपट, कबुतर	कौंआ, कबुतर,, मोर, चकली
कटाव	कटाव उत्तर तट	मध्यम	मध्यम	मध्यम	मध्यम	मध्यम	मध्यम	मध्यम	थोड़ा बहुत	मध्यम	मध्यम	मध्यम	थोड़ा बहुत	मध्यम	ज्यादा	मध्यम	मध्यम	मध्यम	ज्यादा	ज्यादा	ज्यादा	मध्यम	ज्यादा	मध्यम	थोड़ा बहुत	थोड़ा बहुत	थोड़ा बहुत	मध्यम	थोड़ा बहुत	बिल्कुल नहीं	मध्यम	बिल्कुल नहीं
	कटाव दक्षिण तट	ज्यादा	ज्यादा	मध्यम	थोड़ा बहुत	ज्यादा	थोड़ा बहुत	ज्यादा	ज्यादा	ज्यादा	मध्यम	मध्यम	थोड़ा बहुत	थोड़ा बहुत	ज्यादा	ज्यादा	मध्यम	मध्यम	ज्यादा	ज्यादा	ज्यादा	मध्यम	मध्यम	थोड़ा बहुत	थोड़ा बहुत	थोड़ा बहुत	थोड़ा बहुत	थोड़ा बहुत	मध्यम	थोड़ा बहुत	मध्यम	थोड़ा बहुत	ज्यादा
वृक्ष	वृक्षों की स्थिति उत्तर तट	छिटपुट	घने पेड़	छिटपुट	छिटपुट	मध्यम	छिटपुट	छिटपुट	करीब बंजर	छिटपुट	मध्यम	मध्यम	मध्यम	छिटपुट	मध्यम	मध्यम	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	मध्यम	मध्यम	छिटपुट	–	–	बड़ , नीम, आम, पीपल
	वृक्षों की स्थिति दक्षिण तट	मध्यम	मध्यम	मध्यम	छिटपुट	छिटपुट	मध्यम	छिटपुट	मध्यम	मध्यम	मध्यम	मध्यम	मध्यम	मध्यम	घने पेड़	मध्यम	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	छिटपुट	मध्यम	मध्यम	छिटपुट	छिटपुट	घने पेड़	घने पेड़	छिटपुट	–	–	कुछ नहीं सामने आलिया बेट

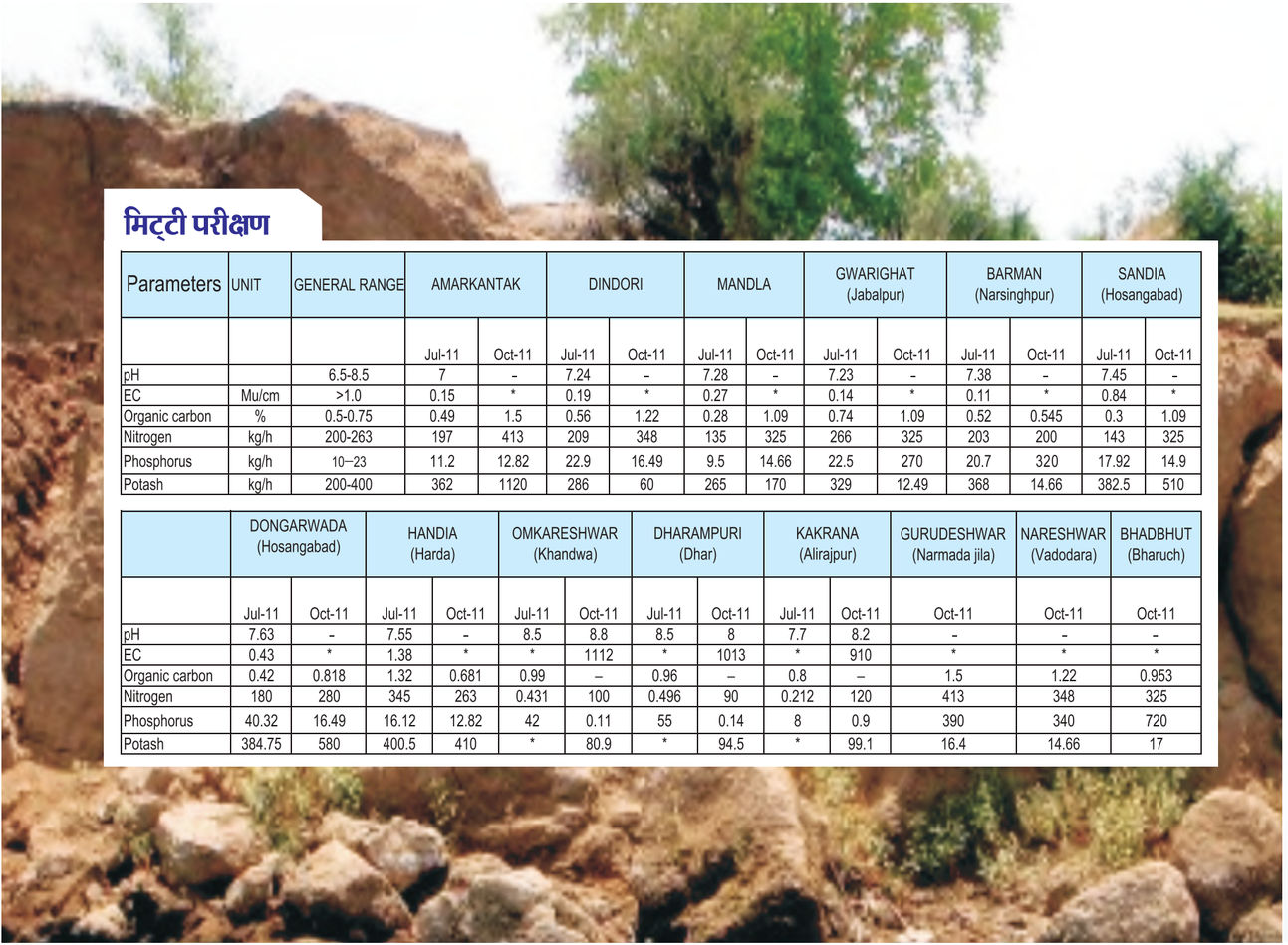

मिट्टी परीक्षण

Parameters	UNIT	GENERAL RANGE	AMARKANTAK		DINDORI		MANDLA		GWARIGHAT (Jabalpur)		BARMAN (Narsinghpur)		SANDIA (Hosangabad)	
			Jul-11	Oct-11	Jul-11	Oct-11	Jul-11	Oct-11	Jul-11	Oct-11	Jul-11	Oct-11	Jul-11	Oct-11
pH		6.5-8.5	7	-	7.24	-	7.28	-	7.23	-	7.38	-	7.45	-
EC	Mu/cm	>1.0	0.15	*	0.19	*	0.27	*	0.14	*	0.11	*	0.84	*
Organic carbon	%	0.5-0.75	0.49	1.5	0.56	1.22	0.28	1.09	0.74	1.09	0.52	0.545	0.3	1.09
Nitrogen	kg/h	200-263	197	413	209	348	135	325	266	325	203	200	143	325
Phosphorus	kg/h	10–23	11.2	12.82	22.9	16.49	9.5	14.66	22.5	270	20.7	320	17.92	14.9
Potash	kg/h	200-400	362	1120	286	60	265	170	329	12.49	368	14.66	382.5	510

	DONGARWADA (Hosangabad)		HANDIA (Harda)		OMKARESHWAR (Khandwa)		DHARAMPURI (Dhar)		KAKRANA (Alirajpur)		GURUDESHWAR (Narmada jila)	NARESHWAR (Vadodara)	BHADBHUT (Bharuch)
	Jul-11	Oct-11	Jul-11	Oct-11	Jul-11	Oct-11	Jul-11	Oct-11	Jul-11	Oct-11	Oct-11	Oct-11	Oct-11
pH	7.63	-	7.55	-	8.5	8.8	8.5	8	7.7	8.2	-	-	-
EC	0.43	*	1.38	*	*	1112	*	1013	*	910	*	*	*
Organic carbon	0.42	0.818	1.32	0.681	0.99	–	0.96	–	0.8	–	1.5	1.22	0.953
Nitrogen	180	280	345	263	0.431	100	0.496	90	0.212	120	413	348	325
Phosphorus	40.32	16.49	16.12	12.82	42	0.11	55	0.14	8	0.9	390	340	720
Potash	384.75	580	400.5	410	*	80.9	*	94.5	*	99.1	16.4	14.66	17

निदान की ओर एक पहल

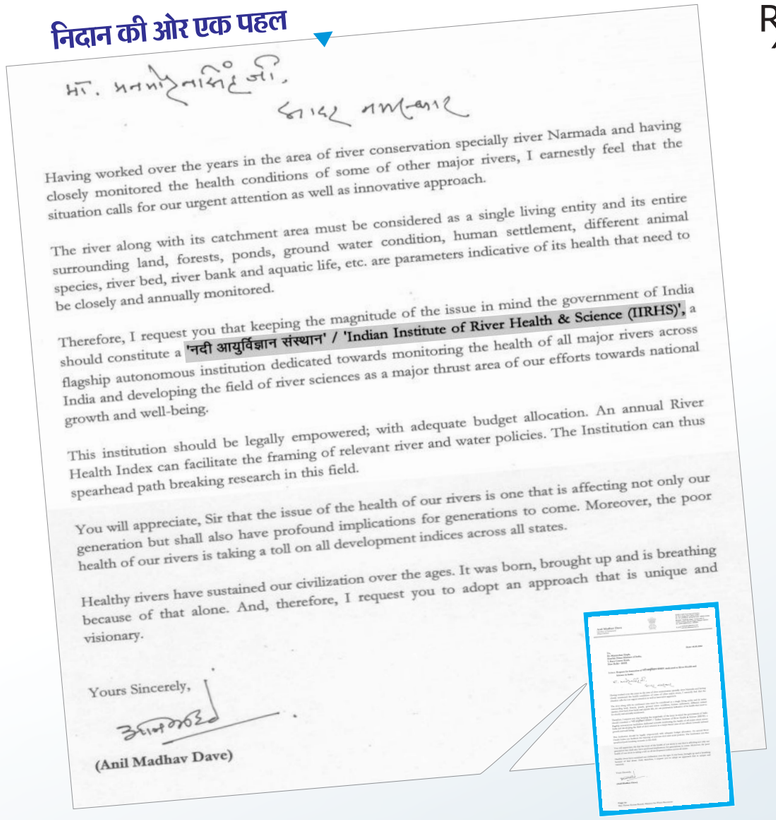

Having worked over the years in the area of river conservation specially river Narmada and having closely monitored the health conditions of some of other major rivers, I earnestly feel that the situation calls for our urgent attention as well as innovative approach.

The river along with its catchment area must be considered as a single living entity and its entire surrounding land, forests, ponds, ground water condition, human settlement, different animal species, river bed, river bank and aquatic life, etc. are parameters indicative of its health that need to be closely and annually monitored.

Therefore, I request you that keeping the magnitude of the issue in mind the government of India should constitute a **'नदी आयुर्विज्ञान संस्थान' / 'Indian Institute of River Health & Science (IIRHS)'**, a flagship autonomous institution dedicated towards monitoring the health of all major rivers across India and developing the field of river sciences as a major thrust area of our efforts towards national growth and well-being.

This institution should be legally empowered; with adequate budget allocation. An annual River Health Index can facilitate the framing of relevant river and water policies. The Institution can thus spearhead path breaking research in this field.

You will appreciate, Sir that the issue of the health of our rivers is one that is affecting not only our generation but shall also have profound implications for generations to come. Moreover, the poor health of our rivers is taking a toll on all development indices across all states.

Healthy rivers have sustained our civilization over the ages. It was born, brought up and is breathing because of that alone. And, therefore, I request you to adopt an approach that is unique and visionary.

Yours Sincerely,

(Anil Madhav Dave)

Rx

- घाटों की नियमित सफाई।
- नदी क्षेत्र व घाटों पर पॉलीथिन, पन्नी, रासायनिक पूजन सामग्री (जैसे **POP** की मूर्तियों) का प्रयोग पूर्णतः वर्जित करना।
- नगरीय संरचना की जलमल निकासी व जलग्रहण क्षेत्र के जंगलों की अवैध कटाई पर पूर्णतः प्रतिबंध।
- नदी में अवैध रेत खनन, विस्फोट व करंट से मछली मारने जैसे कार्यों पर पूर्ण प्रतिबंध।
- समाज में नदी व जलाशयों को प्रदूषण मुक्त करने के लिये लोक जागरण के विभिन्न कार्यक्रम की रचना करना।
- पाखण्डी नीति निर्धारकों के संरक्षण में प्रदूषण फैला रहे कल–कारखानों के षड़यंत्रों का संचार माध्यम, न्यायालय व सामाजिक मीडिया के माध्यम से उनके असली चेहरे को उजागर करना।
- जैविक कृषि को बढ़ावा।
- सच्चे समाजसेवी, नीति निर्धारकों को साथ लेकर शासन/प्रशासन में नदी व जलाशयों के संरक्षण के लिये नीति–नियम बनवाना।
- नदी आयुर्विज्ञान संस्थान के गठन का सरकार से निरंतर आग्रह करना।